भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1369
09 फरवरी, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

किलकारी योजना और मिशन उत्कर्ष

1369. श्री संजय सेठ:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) किलकारी योजना और मिशन उत्कर्ष की प्रमुख विशेषताएं और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) उक्त योजनाओं के अंतर्गत कितने राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को शामिल किया गया है;

(ग) क्या उक्त योजनाओं के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को वित्तीय सहायता दिए जाने का कोई प्रावधान है;

(घ) यदि हां, तो विगत दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान आवंटित निधि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) झारखंड में मिशन उत्कर्ष के अंतर्गत अब तक किए गए कार्यों का जिला-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) और (ख): जनवरी, 2022 में माननीय प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक संपर्क वाले सभी मंत्रालयों/विभागों को अपने-अपने क्षेत्रों में उत्थान के लिए निचले स्तर के जिलों की पहचान करने का निर्देश दिया, जिससे '**मिशन उत्कर्ष**' का मार्ग प्रशस्त हुआ। मिशन उत्कर्ष के तहत, 15 केंद्रीय मंत्रालय/विभाग इन निचले जिलों को राज्य और राष्ट्रीय औसत पर लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य यह है कि केंद्र और राज्य सरकार चिह्नित जिलों के उत्थान के लिए मिशन मोड में काम करें और यह सुनिश्चित करें कि:

- चयनित जिलों में प्रमुख कार्य-निष्पादन संकेतक (केपीआई) अगले एक वर्ष में राज्य औसत को पार कर जाएंगे।
- अगले दो वर्षों के भीतर ये जिले राष्ट्रीय औसत के बराबर आ जाएंगे।

मिशन उत्कर्ष के तहत स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा पहचाने गए चयनित 9 प्रमुख निष्पादन संकेतक (केपीआई) के समग्र स्कोर के आधार पर 14 निचले जिलों का विवरण **अनुलग्नक- I** में दिया गया है।

किलकारी कार्यक्रम जच्चा और गर्भवती महिलाओं के लिए डिजिटल इंडिया पहल के भाग के रूप में 15 जनवरी, 2016 को शुरू की गई मोबाइल आधारित सेवा है, जिसका उद्देश्य लाभार्थियों को गर्भावस्था, बच्चे के जन्म और बच्चे की स्वास्थ्य परिचर्या के बारे में प्रत्यक्ष संदेश भेजकर उनके नवजात बच्चों की स्वास्थ्य परिचर्या के लिए बेहतर स्वास्थ्यकर विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित करना है।

यह ऑडियो-आधारित सेवा है जिसका उपयोग ग्रामीण भारत में अधिक होता है। किलकारी कार्यक्रम के अंतर्गत आरसीएच पोर्टल में पंजीकृत महिलाओं को इंटरैक्टिव वॉयस रेस्पोंस (आईवीआर) के माध्यम से गर्भावस्था, बच्चे के जन्म और बच्चे की स्वास्थ्य परिचर्या के बारे में नि:शुल्क, साप्ताहिक, उपयुक्त समय पर ओडियो संदेश भेजे जाते हैं। संदेश भेजने का सिलसिला गर्भावस्था की दूसरी तिमाही में शुरू होता है और बच्चे की एक वर्ष की आयु होने तक जारी रहता है। गर्भवती माता का विवरण वेब सेवा के जरिए आरसीएच पोर्टल से किलकारी में लिया जाता है, यह वेब सेवा दोनों एप्लीकेशन में लागू की गई है।

इस कार्यक्रम में माताओं और परिवारों को गर्भावस्था और शैशवास्था के दौरान अपनाए जाने वाले व्यवहारों और परिपाटियों के बारे में जानकारी दी जाती है। साप्ताहिक संदेशों से परिवारों को इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान प्रत्येक सप्ताह के लिए प्राथमिक कार्यों के बारे में शिक्षित करने, याद दिलाने और इन्हें अमल में लाने में सहायता मिलती है। इस कार्य से न केवल गर्भवती महिलाओं और बच्चों का अनेक जोखिमों से बचाव होता है, बल्कि इससे अच्छे परिणाम भी मिलने सुनिश्चित होते हैं।

किलकारी परियोजना 18 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों नामत: असम, बिहार, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कार्यशील हैं। वर्तमान में, दिनांक 07 फरवरी 2024 तक किलकारी योजना को दो अतिरिक्त राज्यों नामतः महाराष्ट्र और गुजरात में आरंभ किया गया है।

(ग) और (घ): प्रत्येक मंत्रालय के पास इन चुने हुए जिलों/क्षेत्रों के उत्थान के लिए मौजूदा योजनाओं के माध्यम से अपना स्वयं का वित्त पोषण तंत्र है। मिशन उत्कर्ष के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता के लिए कोई अतिरिक्त प्रावधान नहीं है।

(ङ): झारखंड का साहेबगंज जिला मिशन उत्कर्ष के तहत स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा चिह्नित 14 निचले जिलों में से एक है। झारखंड सरकार द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार निम्नलिखित कार्यकलाप साहेबगंज जिले सहित पूरे राज्य में किए गए हैं:

- सहायक नर्स और मिडवाइफ (एएनएम) सभी गर्भवती महिलाओं की पहली और चौथी प्रसव-पूर्व देखभाल (एएनसी) को सुनिश्चित करने और प्रत्येक बच्चे के टीकाकरण की पूर्ण कवरेज के लिए विशेष रूप से रखे जाते हैं।
- आयरन-फोलिक एसिड (आईएफए) की गोलियां वितरित की गईं।
- छोटे बच्चों संबंधी कार्यक्रम (एचबीवाईसी) / गृह-आधारित नवजात देखभाल (एचबीएनसी) कौशल।
- राज्य बजट द्वारा आशा कार्यकर्ताओं को एचबीवाईसी/एचबीएनसी किट (1609) प्रदान की गई।
- आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं में सुधार के लिए जिले में 115 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) तैनात हैं ।
- टीबी मुक्त पंचायत का स्तर प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रम पूरे जिलों में शुरू किए गए हैं।
- पीएम टीबी मुक्त अभियान के तहत जिलों द्वारा रोगियों को पोषण किट और अन्य सहायता उपलब्ध कराने की पहल की गई है।

*****

अनुलग्नक-I

मिशन उत्कर्ष के तहत स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा चिह्नित राज्य-वार जिले

क्र.सं.	**राज्य**	**जिले**
1.	अरुणाचल प्रदेश	ऊपरी सुबनसिरी
		पापुम पारे
2.	बिहार	दरभंगा
		सुपौल
3.	हरियाणा	नूह
4.	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर
5.	झारखंड	साहेबगंज
6.	केरल	मलप्पुरम
7.	मणिपुर	कामजोंग
		फेरज़ावल
8.	मेघालय	उत्तरी गारो हिल्स
		दक्षिण पश्चिम खासी पहाड़ियाँ
9.	मिजोरम	लॉन्गत्लाई
10.	नगालैंड	मोकोकचुंग